Central University of Haryana

NAAC Accredited 'A' Grade University

Public Relations Office

Two Day workshop on "The Awakening Within"

Newspaper: Amar Ujala **Date: 19-05-2022**

मानसिक व आत्मिक बल पर केंद्रित कार्यशाला का शुभारंभ

संवाद न्यूज एजेंसी

महेंद्रगढ़। हरियाणा केंद्रीय विश्वविद्यालय महेंद्रगढ़ के मनोविज्ञान विभाग में दो दिवसीय कार्यशाला का बुधवार को शुभारंभ हुआ। कार्यशाला का उद्देश्य व्यक्ति विशेष की व्यवहारिक मनोविज्ञान संबंधी समस्याओं पर चर्चा के साथ मानसिक एवं आत्मिक बल को बढ़ावा देना है। विश्वविद्यालय कुलपति प्रो. टंकेश्वर कुमार ने कहा कि विषय समसामयिक है और कोरोना काल के बाद बदली परिस्थितियों को देखते हुए इस दिशा में विशेष प्रयास आवश्यक हैं।

कुलपति ने कहा कि समय तेजी से बदल रहा है और इसमें व्यवहारिक समस्याओं के निदान हेतु प्रशिक्षित विशेषज्ञों की आवश्यकता है। आयोजन में विशिष्ठ अतिथि के रूप में शामिल विश्वविद्यालय कुलपति प्रो. सुनील कुमार ने कहा कि विभाग का यह प्रयास बेहद उल्लेखनीय है। कुलसचिव ने विभाग के इस प्रयास को इस दिशा में उपयोगी बताया। कार्यशाला में विशेषज्ञ के रूप में

कुलपति प्रो. टंकेश्वर कुमार। संवाद

बिजनेस एक्सपर्ट व बिहेवियर अनालिस्ट अर्चना मेमगेन जैन, मनोवैज्ञानिक विशेषज्ञ व शिक्षक अवनीत कौर व अवन्या की कार्यकारी निदेशक प्रीति चैहान उपस्थित रहीं। विश्वविद्यालय के मनोविज्ञान विभाग के विभागाध्यक्ष डॉ. वीएन यादव ने कार्यशाला की उपयोगिता से प्रतिभागियों को अवगत कराया। मंच का संचालन विभाग की शोधार्थी रितिका वर्मा व स्नेहा मित्तल ने किया। कार्यशाला के आयोजन में विभाग की सहअचार्य डॉ. पायल चंदेल, सहायक आचार्य डॉ. विष्णु नारायण कुचेरिया, डॉ. प्रदीप कुमार और डॉ. रितु शर्मा ने महत्वपूण भूमिका अदा की।

Central University of Haryana

NAAC Accredited 'A' Grade University

Public Relations Office

Newspaper: Dainik Bhaskar **Date: 19-05-2022**

हकेंवि में दो दिवसीय कार्यशाला शुरू

मनोविज्ञान का ज्ञान बेहद महत्त्वपूर्ण है और इसकी उपयोगिता के लिए जरूरी

महेंद्रगढ़ हकेंवि में आयोजित दो दिवसीय कार्यशाला के उद्घाटन सत्र को संबोधित करते कुलपति प्रो. टंकेश्वर कुमार।

भास्कर न्यूज | महेंद्रगढ़

हकेंवि, महेंद्रगढ़ के मनोविज्ञान विभाग में दो दिवसीय कार्यशाला का बुधवार को शुभारंभ हुआ। स्वजागरूकता संबंधी इस कार्यशाला का उद्देश्य व्यक्ति विशेष की व्यवहारिक मनोविज्ञान संबंधी समस्याओं पर चर्चा के साथ उनके मानसिक एवं आध्यात्मिक बल को बढावा देना है।

विश्वविद्यालय कुलपति प्रो. टंकेश्वर कुमार ने कहा कि यह विषय बेहद समसामयिक है और कोरोना काल के बाद बदली परिस्थितियों को देखते हुए इस दिशा में विशेष प्रयास आवश्यक हैं। उन्होंने कहा कि मनोविज्ञान का ज्ञान बेहद महत्त्वपूर्ण है और इसकी उपयोगिता के लिए आवश्यक है कि इसका अधिकाधिक प्रचार-प्रसार हो। कुलपति ने इस अवसर पर मशीनों द्वारा लोगों के व्यवहार को प्रभावित किए जाने पर भी प्रकाश डाला। उन्होंने कहा कि समय तेजी से बदल रहा है और इसमें व्यवहारिक समस्याओं के निदान हेतु प्रशिक्षित विशेषज्ञों की आवश्यकता है। आयोजन में विशिष्ठ अतिथि के रूप में शामिल विश्वविद्यालय कुलपति प्रो. सुनील कुमार ने कहा कि विभाग का यह प्रयास बेहद उल्लेखनीय है और इस प्रकार के आयोजनों के माध्यम से व्यवहारिक स्तर पर उपस्थित होने वाली मनोवैज्ञानिक समस्याओं का निदान सहज होता है। कुलसचिव ने विभाग के इस प्रयास को इस दिशा में उपयोगी बताया।इस कार्यशाला में विशेषज्ञ के रूप में बिजनेस एक्सपर्ट व बिहेवियर अनालिस्ट अर्चना मेमगेन जैन, मनोवैज्ञानिक विशेषज्ञ व शिक्षक अवनीत कौर व अवन्या की कार्यकारी निदेशक प्रीति चौहान उपस्थित रहीं।

कार्यशाला का शुभारंभ दीप प्रज्वलन व सरस्वती वंदना के साथ किया गया। विश्वविद्यालय के मनोविज्ञान विभाग के विभागाध्यक्ष डॉ. वी.एन. यादव ने कार्यशाला की उपयोगिता से प्रतिभागियों को अवगत कराया। मंच का संचालन विभाग की शोधार्थी रितिका वर्मा व स्नेहा मित्तल ने किया।

कार्यशाला के दौरान विशेषज्ञ प्रीति चौहान ने विभिन्न गतिविधियों के माध्यम से एम्पिथि लेवल की जांच की। कार्यशाला के आयोजन में विभाग की सहआचार्य डॉ. पायल चंदेल, सहायक आचार्य डॉ. विष्णु नारायण कुचेरिया, डॉ. प्रदीप कुमार तथा डॉ. रितु शर्मा ने महत्त्वपूर्ण भूमिका अदा की। उद्घाटन सत्र के अंत में डॉ. रवि पांडे ने धन्यवाद ज्ञापन दिया।

Central University of Haryana

NAAC Accredited 'A' Grade University

Public Relations Office

Newspaper: Dainik Jagran **Date: 19-05-2022**

हकेंवि में मानसिक व आत्मिक बल पर केंद्रित कार्यशाला का हुआ शुभारंभ

संवाद सहयोगी, महेंद्रगढ़: हरियाणा केंद्रीय विश्वविद्यालय (हकेंवि), महेंद्रगढ़ के मनोविज्ञान विभाग में दो दिवसीय कार्यशाला का बुधवार को शुभारंभ हुआ। स्वजागरूकता संबंधी इस कार्यशाला का उद्देश्य व्यक्ति विशेष की व्यवहारिक मनोविज्ञान संबंधी समस्याओं पर चर्चा के साथ उनके मानसिक एवं आत्मिक बल को बढ़ावा देना है। विश्वविद्यालय कुलपति प्रो. टंकेश्वर कुमार ने कहा कि यह विषय बेहद समसामयिक है और कोरोना काल के बाद बदली परिस्थितियों को देखते हुए इस दिशा में विशेष प्रयास आवश्यक हैं। उन्होंने कहा कि मनोविज्ञान का ज्ञान बेहद महत्वपूर्ण है और इसकी उपयोगिता के लिए आवश्यक है कि इसका अधिकाधिक प्रचार-प्रसार हो।

कुलपति ने इस अवसर पर मशीनों द्वारा लोगों के व्यवहार को प्रभावित किए जाने पर भी प्रकाश डाला। उन्होंने कहा कि समय तेजी से बदल रहा है और इसमें व्यवहारिक समस्याओं के निदान के लिए प्रशिक्षित विशेषज्ञों की आवश्यकता है। विशिष्ट अतिथि कुलसचिव प्रो. सुनील कुमार ने कहा कि विभाग का यह प्रयास बेहद उल्लेखनीय है। कुलसचिव ने विभाग के इस प्रयास को इस दिशा में उपयोगी बताया।

हकेंवि में आयोजित दो दिवसीय कार्यशाला के उद्घाटन सत्र को संबोधित करते कुलपति प्रो. टंकेश्वर कुमार(दाईं ओर) ● सौ. हकेंवि

इस कार्यशाला में विशेषज्ञ के रूप में बिजनेस एक्सपर्ट व बिहेवियर अनालिस्ट अर्चना मेमगेन जैन, मनोवैज्ञानिक विशेषज्ञ व शिक्षक अवनीत कौर व अवन्या की कार्यकारी निदेशक प्रीति चौहान उपस्थित रहीं। मनोविज्ञान विभाग के विभागाध्यक्ष डॉ. वी.एन. यादव ने कार्यशाला की उपयोगिता से प्रतिभागियों को अवगत कराया। मंच का संचालन विभाग की शोधार्थी रितिका वर्मा व स्नेहा मित्तल ने किया।

आयोजन में विभाग की सहअचार्य डा. पायल चंदेल, सहायक आचार्य डा. विष्णु नारायण कुचेरिया, डा. प्रदीप कुमार तथा डा. रितु शर्मा ने महत्वपूर्ण भूमिका अदा की। उद्घाटन सत्र के अंत में डा. रवि पांडे ने धन्यवाद ज्ञापन दिया।

Central University of Haryana

NAAC Accredited 'A' Grade University

Public Relations Office

Newspaper: Dainik Tribune **Date: 19-05-2022**

आत्मिक बल केंद्रित कार्यशाला का शुभारंभ

नारनौल, (निस) : हरियाणा केंद्रीय विश्वविद्यालय (हकेवि), महेंद्रगढ़ के मनोविज्ञान विभाग में दो दिवसीय कार्यशाला का बुधवार को शुभारंभ हुआ। स्वः जागरूकता संबंधी इस कार्यशाला का उद्देश्य व्यक्ति विशेष की व्यावहारिक मनोविज्ञान संबंधी समस्याओं पर चर्चा के साथ उनके मानसिक एवं आत्मिक बल को बढावा देना है। विश्वविद्यालय कुलपति प्रो. टंकेश्वर कुमार ने कहा कि यह विषय बेहद समसामयिक है और कोरोना काल के बाद बदली परिस्थितियों को देखते हुए इस दिशा में विशेष प्रयास आवश्यक हैं। उन्होंने कहा कि मनोविज्ञान का ज्ञान बेहद महत्वपूर्ण है। इसकी उपयोगिता के लिए आवश्यक है कि इसका अधिकाधिक प्रचार-प्रसार हो। कुलपति ने इस अवसर पर मशीनों द्वारा लोगों के व्यवहार को प्रभावित किए जाने पर भी प्रकाश डाला। कार्यशाला के आयोजन में विभाग की सह आचार्य डॉ. पायल चंदेल, सहायक आचार्य डॉ. विष्णु नारायण कुवेरिया, डॉ. प्रदीप कुमार तथा डॉ. रितु शर्मा ने महत्वपूर्ण भूमिका अदा की।

दैनिक ट्रिब्यून Thu, 19 May 2022
https://epaper.dainiktribun

Central University of Haryana

NAAC Accredited 'A' Grade University

Public Relations Office

Newspaper: Haribhoomi **Date: 19-05-2022**

व्याख्यान

मनोविज्ञान का ज्ञान बेहद महत्वपूर्ण है

हरिभूमि न्यूज ⏭ महेंद्रगढ़

हरियाणा केंद्रीय विश्वविद्यालय के मनोविज्ञान विभाग में दो दिवसीय कार्यशाला का बुधवार को शुभारंभ हुआ। स्वः जागरूकता संबंधी इस कार्यशाला का उद्देश्य व्यक्ति विशेष की व्यवहारिक मनोविज्ञान संबंधी समस्याओं पर चर्चा के साथ उनके मानसिक एवं आध्यात्मिक बल को बढ़ावा देना है। कुलपति प्रो. टंकेश्वर कुमार ने कहा कि यह विषय बेहद समसामयिक है व कोरोना काल के बाद बदली परिस्थितियों को देखते हुए इस दिशा में विशेष प्रयास आवश्यक हैं। उन्होंने कहा कि मनोविज्ञान का ज्ञान बेहद महत्वपूर्ण है और इसकी उपयोगिता के लिए आवश्यक है कि इसका अधिकाधिक प्रचार-प्रसार हो। आयोजन में विशिष्ट अतिथि के रूप में

कोरोनाकाल के बाद बदली परिस्थितियों को देखते हुए विशेष प्रयास आवश्यक

हरियाणा केंद्रीय विश्वविद्यालय में मानसिक व अध्यात्मिक बल पर केंद्रित कार्यशाला शुरू

महेंद्रगढ़। दो दिवसीय कार्यशाला के उद्घाटन सत्र को संबोधित करते कुलपति प्रो. टंकेश्वर कुमार।

शामिल विश्वविद्यालय कुलपति प्रो. सुनील कुमार ने कहा कि विभाग का यह प्रयास बेहद उल्लेखनीय है और इस प्रकार के आयोजनों के माध्यम से व्यवहारिक स्तर पर उपस्थित होने वाली मनोवैज्ञानिक समस्याओं का निदान सहज होता है। कार्यशाला में विशेषज्ञ के रूप में बिजनेस एक्सपर्टव बिहेवियर अनालिस्ट अर्चना मेमगेन जैन, मनोवैज्ञानिक विशेषज्ञ व शिक्षक अवनीत कौर व अवन्या की कार्यकारी निदेशक प्रीति चौहान उपस्थित रही। कार्यशाला का शुभारंभ दीप प्रज्वलन व सरस्वती वंदना के साथ किया। विश्वविद्यालय के मनोविज्ञान विभाग के विभागाध्यक्ष डा. वीएन यादव ने कार्यशाला की उपयोगिता से प्रतिभागियों को अवगत करवाया। मंच का संचालन विभाग की शोधार्थी रितिका वर्मा व स्नेहा मित्तल ने किया। कार्यशाला के दौरान विशेषज्ञ प्रीति चौहान ने विभिन्न गतिविधियों के माध्यम से एम्पिथि लेवल की जांच की। कार्यशाला के आयोजन में विभाग की सहआचार्य डा. पायल चंदेल, सहायक आचार्य डा. विष्णु नारायण कुचेरिया, डा. प्रदीप कुमार, डा. रितु शर्मा ने महत्वपूर्ण भूमिका अदा की। उद्घाटन सत्र के अंत में डा. रवि पांडे ने धन्यवाद ज्ञापन दिया।

Central University of Haryana

NAAC Accredited 'A' Grade University

Public Relations Office

Newspaper: Jagmarg **Date: 19-05-2022**

हकेवि में मानसिक और अध्यात्मिक बल पर केंद्रित कार्यशाला का किया शुभारंभ

जगमार्ग न्यूज

महेंद्रगढ़। हरियाणा केंद्रीय विश्वविद्यालय (हकेवि), महेंद्रगढ़ के मनोविज्ञान विभाग में दो दिवसीय कार्यशाला का बुधवार को शुभारंभ हुआ।

स्वं जागरूकता संबंधी इस कार्यशाला का उद्देश्य व्यक्ति विशेष की व्यवहारिक मनोविज्ञान संबंधी समस्याओं पर चर्चा के साथ उनके मानसिक एवं आध्यात्मिक बल को बढ़ावा देना है। विश्वविद्यालय कुलपति प्रो. टंकेश्वर कुमार ने कहा कि यह विषय बेहद समसामयिक है और कोरोना काल के बाद बदली परिस्थितियों को देखते हुए इस दिशा में विशेष प्रयास आवश्यक हैं। उन्होंने कहा कि मनोविज्ञान का ज्ञान बेहद महत्त्वपूर्ण है और इसकी उपयोगिता के लिए आवश्यक है कि इसका अधिकाधिक प्रचार-प्रसार हो।

कुलपति ने इस अवसर पर मशीनों द्वारा लोगों के व्यवहार को प्रभावित किए जाने पर भी प्रकाश डाला।

उन्होंने कहा कि समय तेजी से बदल रहा है और इसमें व्यवहारिक समस्याओं के निदान हेतु प्रशिक्षित विशेषज्ञों की आवश्यकता है। आयोजन में विशिष्ठ अतिथि के रूप में शामिल विश्वविद्यालय कुलपति प्रो. सुनील कुमार ने कहा कि विभाग का यह प्रयास बेहद उल्लेखनीय है।

Central University of Haryana

NAAC Accredited 'A' Grade University

Public Relations Office

Newspaper: Punjab Kesari **Date: 19-05-2022**

हकेंवि में मानसिक व आत्मिक बल पर केंद्रित कार्यशाला का शुभारंभ

कार्यशाला के उद्घाटन सत्र को संबोधित करते कुलपति प्रो. टंकेश्वर कुमार।

महेंद्रगढ़, 18 मई (परमजीत, मोहन): हरियाणा केंद्रीय विश्वविद्यालय (हकेंवि), महेंद्रगढ़ के मनोविज्ञान विभाग में 2 दिवसीय कार्यशाला का बुधवार को शुभारंभ हुआ।

स्व: जागरूकता संबंधी इस कार्यशाला का उद्देश्य व्यक्ति विशेष की व्यावहारिक मनोविज्ञान संबंधी समस्याओं पर चर्चा के साथ उनके मानसिक एवं आत्मिक बल को बढ़ावा देना है।

विश्वविद्यालय कुलपति प्रो. टंकेश्वर कुमार ने कहा कि यह विषय बेहद समसामयिक है और कोरोना काल के बाद बदली परिस्थितियों को देखते हुए इस दिशा में विशेष प्रयास आवश्यक हैं। उन्होंने कहा कि मनोविज्ञान का ज्ञान बेहद महत्वपूर्ण है और इसकी उपयोगिता के लिए आवश्यक है कि इसका अधिकाधिक प्रचार-प्रसार हो।

कुलपति ने इस अवसर पर मशीनों द्वारा लोगों के व्यवहार को प्रभावित किए जाने पर भी प्रकाश डाला। उन्होंने कहा कि समय तेजी से बदल रहा है और इसमें व्यावहारिक समस्याओं के निदान हेतु प्रशिक्षित विशेषज्ञों की आवश्यकता है।

आयोजन में विशिष्ट अतिथि के रूप में शामिल विश्वविद्यालय कुलपति प्रो. सुनील कुमार ने कहा कि विभाग का यह प्रयास बेहद उल्लेखनीय है और इस प्रकार के आयोजनों के माध्यम से व्यावहारिक स्तर पर उपस्थित होने वाली मनोवैज्ञानिक समस्याओं का निदान सहज होता है। कुलसचिव ने विभाग के इस प्रयास को इस दिशा में उपयोगी बताया।

इस कार्यशाला में विशेषज्ञ के रूप में बिजनैस एक्सपर्ट व बिहेवियर एनालिस्ट अर्चना मेमगेन जैन, मनोवैज्ञानिक विशेषज्ञ व शिक्षक अवनीत कौर व अवन्या की कार्यकारी निदेशक प्रीति चौहान उपस्थित रहीं। विश्वविद्यालय के मनोविज्ञान विभाग के विभागाध्यक्ष डॉ. वी.एन. यादव ने कार्यशाला की उपयोगिता से प्रतिभागियों को अवगत करवाया।

स्व: जागरूकता संबंधी इस कार्यशाला का उद्देश्य व्यक्ति विशेष की व्यावहारिक मनोविज्ञान संबंधी समस्याओं पर चर्चा के साथ उनके मानसिक एवं आध्यात्मिक बल को बढ़ावा देना है।

विश्वविद्यालय कुलपति प्रो. टंकेश्वर कुमार ने कहा कि यह विषय बेहद समसामयिक है और कोरोना काल के बाद बदली परिस्थितियों को देखते हुए इस दिशा में विशेष प्रयास आवश्यक हैं।

उन्होंने कहा कि मनोविज्ञान का ज्ञान बेहद महत्वपूर्ण है और इसकी उपयोगिता के लिए आवश्यक है कि इसका अधिकाधिक प्रचार-प्रसार हो।

Central University of Haryana

NAAC Accredited 'A' Grade University

Public Relations Office

Newspaper: Amar Ujala **Date: 20-05-2022**

हकेंविवि में मानसिक व आत्मिक कार्यशाला का समापन

संवाद न्यूज एजेंसी

अर्जित ज्ञान समाज के लिए उपयोगी सिद्ध होगा : उपायुक्त

महेंद्रगढ़। हरियाणा केंद्रीय विश्वविद्यालय के मनोविज्ञान विभाग में दो दिवसीय कार्यशाला का वीरवार को समापन किया गया। व्यक्ति विशेष की व्यवहारिक मनोविज्ञान संबंधी समस्याओं पर चर्चा के साथ उनके मानसिक एवं आत्मिक बल को बढ़ावा देने के उद्देश्य से आयोजित कार्यशाला के समापन सत्र में मुख्यातिथि उपायुक्त डॉ. जेके आभीर रहे।

विश्वविद्यालय कुलपति प्रो. टंकेश्वर कुमार ने अपने संदेश में कहा कि इस कार्यशाला के माध्यम से मनोविज्ञान के ज्ञान के महत्व को समझने का अवसर प्रतिभागियों को प्राप्त हुआ है। कार्यशाला के समापन सत्र में उपायुक्त डॉ. जेके आभीर ने हरियाणा केंद्रीय विश्वविद्यालय द्वारा आयोजित इस कार्यशाला को समसामयिक बताया और कहा कि कोरोना काल में बदली परिस्थितियों के परिणाम स्वरूप मनोविज्ञान विशेषज्ञों का महत्व सामाजिक परिवेश में बढ़ा है। उपायुक्त ने विश्वविद्यालय के कुलपति व मनोविज्ञान विभाग सहित कार्यशाला में सम्मिलित विशेषज्ञों के योगदान की भी सराहना की और कहा कि समय-समय पर ऐसे आयोजन होते रहने चाहिए।

कार्यशाला को संबोधित करते उपायुक्त डॉ. जेके आभीर। संवाद

विषय विशेषज्ञों ने दी जानकारी : यहां बता दें कि आयोजन में विशेषज्ञ के रूप में डॉ. ज्योति आभीर, बिजनेस एक्सपर्ट व बिहेवियर अनालिस्ट अर्चना मेमगेन जैन, मनोवैज्ञानिक विशेषज्ञ व शिक्षक अवनीत कौर, अवन्या की कार्यकारी निदेशक प्रीति चौहान व डॉ. सूरजमल ने कार्यक्षेत्र में मनोविज्ञान के प्रायोगिक पक्षों से प्रतिभागियों को अवगत कराया। जिला रेडक्रॉस सोसायटी के सचिव डॉ. श्याम सुंदर शर्मा ने मातृ शक्ति के महत्व से प्रतिभागियों को अवगत कराया। विश्वविद्यालय के मनोविज्ञान विभाग के विभागाध्यक्ष डॉ. वीएन यादव ने कार्यशाला की उपयोगिता से प्रतिभागियों को अवगत कराया। इस अवसर पर डॉ. वीएन यादव ने विभाग की शोधार्थी रितिका वर्मा द्वारा बनाई गई मेंटल हेल्थ किट भी लांच की। कार्यशाला के आयोजन में विभाग की सह अचार्य डॉ. पायल चंदेल, सहायक आचार्य डॉ. रवि पांडे, डॉ. प्रदीप कुमार तथा डॉ. रितु शर्मा ने महत्वपूर्ण भूमिका अदा की। मंच का संचालन विभाग की शोधार्थी पवित्ता व दिव्या ने किया। समापन सत्र के अंत में विष्णु नारायण कुचेरिया ने धन्यवाद ज्ञापन दिया।

Central University of Haryana

NAAC Accredited 'A' Grade University

Public Relations Office

Newspaper: Dainik Bhaskar **Date: 20-05-2022**

हकेंवि में मानसिक व आत्मिक बल पर केंद्रित कार्यशाला का हुआ समापन

भास्कर न्यूज | महेंद्रगढ़

हकेंवि, महेंद्रगढ़ के मनोविज्ञान विभाग में 2 दिवसीय कार्यशाला का वीरवार को समापन हो गया। व्यक्ति विशेष की व्यावहारिक मनोविज्ञान संबंधी समस्याओं पर चर्चा के साथ उनके मानसिक एवं आत्मिक बल को बढ़ावा देने के उद्देश्य से आयोजित इस कार्यशाला के समापन सत्र में जिला उपायुक्त डॉ. जेके आभीर मुख्य अतिथि के रूप में उपस्थित रहे। विश्वविद्यालय कुलपति प्रो. टंकेश्वर कुमार ने अपने संदेश में कहा कि इस कार्यशाला के माध्यम से मनोविज्ञान के ज्ञान के महत्त्व को समझने का अवसर प्रतिभागियों को प्राप्त हुआ है। कुलपति ने कहा कि उम्मीद है कि कार्यशाला में विशेषज्ञों द्वारा दिए गए ज्ञान का लाभ अवश्य ही शोध व व्यावहारिक उपयोग में देखने को मिलेगा।

कार्यशाला के समापन सत्र में जिला उपायुक्त डॉ. जेके आभीर ने हरियाणा केंद्रीय विश्वविद्यालय द्वारा आयोजित इस कार्यशाला को समसामयिक बताया और कहा कि कोरोनाकाल में बदली परिस्थितियों के परिणाम स्वरूप मनोविज्ञान विशेषज्ञों का महत्त्व सामाजिक परिवेश में बढ़ा है। हम समाज में व्यावहारिक व मानसिक स्तर पर लोगों में परिवर्तन को महसूस कर सकते हैं और इस प्रकार के आयोजनों के माध्यम से अर्जित ज्ञान समाज के लिए बेहद उपयोगी है। आयोजन में विशेषज्ञ के रूप में डॉ. ज्योति आभीर, बिजनेस एक्सपर्ट व बिहेवियर एनालिस्ट अर्चना जैन, मनोवैज्ञानिक विशेषज्ञ व शिक्षक अवनीत कौर, अवन्या की कार्यकारी निदेशक प्रीति चौहान व डॉ. सूरजमल ने कार्यक्षेत्र में मनोविज्ञान के प्रायोगिक पक्षों से प्रतिभागियों को अवगत कराया। इस अवसर पर अपने संबोधन में डॉ. ज्योति आभीर ने प्रतिभागियों को सभी की संस्कृति का सम्मान कर आगे बढ़ने का आह्वान किया। उन्होंने अपने अनुभव साझा करते हुए प्रतिभागियों को प्रेरित किया। विश्वविद्यालय के मनोविज्ञान विभाग के विभागाध्यक्ष डॉ. वीएन यादव ने कार्यशाला की उपयोगिता से प्रतिभागियों को अवगत कराया। इस अवसर पर डॉ. वीएन यादव ने विभाग की शोधार्थी रितिका वर्मा द्वारा बनाई गई मेंटल हेल्थ किट भी लांच की।

कार्यशाला के आयोजन में विभाग की सहआचार्य डॉ. पायल चंदेल, सहायक आचार्य डॉ. रवि पांडे, डॉ. प्रदीप कुमार तथा डॉ. रितु शर्मा ने महत्त्वपूर्ण भूमिका अदा की। मंच का संचालन विभाग की शोधार्थी पवित्रा व दिव्या ने किया। समापन सत्र के अंत में विष्णु नारायण कुचेरिया ने धन्यवाद ज्ञापन दिया।

Central University of Haryana

NAAC Accredited 'A' Grade University

Public Relations Office

Newspaper: Dainik Jagran **Date: 20-05-2022**

अपनी बात को सही ढंग से पहुंचाने के लिए भाषा व माध्यम पर ध्यान देने की आवश्यकता

संवाद सहयोगी, महेंद्रगढ़: हरियाणा केंद्रीय विश्वविद्यालय (हकेंवि), महेंद्रगढ़ के मनोविज्ञान विभाग में दो दिवसीय कार्यशाला का गुरुवार को समापन हो गया। व्यक्ति विशेष की व्यवहारिक मनोविज्ञान संबंधी समस्याओं पर चर्चा के साथ उनके मानसिक एवं आत्मिक बल को बढ़ावा देने के उद्देश्य से आयोजित इस कार्यशाला के समापन सत्र में जिला उपायुक्त डा. जेके आभीर मुख्य अतिथि के रूप में उपस्थित रहे। विश्वविद्यालय कुलपति प्रो. टंकेश्वर कुमार ने अपने संदेश में कहा कि इस कार्यशाला के माध्यम से मनोविज्ञान के ज्ञान के महत्व को समझने का अवसर प्रतिभागियों को प्राप्त हुआ है।

कुलपति ने कहा कि उम्मीद है कि कार्यशाला में विशेषज्ञों द्वारा दिए गए ज्ञान का लाभ अवश्य ही शोध व व्यावहारिक उपयोग में देखने को मिलेगा। जिला उपायुक्त डा. जेके आभीर ने कहा कि कोरोना काल में बदली परिस्थितियों के परिणाम स्वरूप मनोविज्ञान विशेषज्ञों का महत्व सामाजिक परिवेश में बढ़ा है। हम समाज में व्यवहारिक व मानसिक स्तर पर लोगों में परिवर्तन को महसूस कर सकते हैं और इस प्रकार के आयोजनों के माध्यम से अर्जित ज्ञान समाज के लिए बेहद उपयोगी है। विश्वविद्यालय द्वारा इस आयोजन में सम्मिलित प्रतिभागियों द्वारा अर्जित ज्ञान तभी सार्थक होगा जब वे इसे समाज के बीच ले जाएंगे। अक्सर हम समाज से बहुत कुछ सीखते हैं, लेकिन उसकी सार्थकता तभी है जब हम उसे समाज को वापस लौटाएं। इस प्रयास में संचार का योगदान महत्वपूर्ण है और अपनी बात को सही ढंग से पहुंचाने के लिए संवाद की भाषा व माध्यम से विशेष ध्यान देने की आवश्यकता है। आयोजन में विशेषज्ञ के रूप में डा. ज्योति आभीर, बिजनेस एक्सपर्ट व बिहेवियर अनालिस्ट अर्चना मेमगेन जैन, मनोवैज्ञानिक विशेषज्ञ व शिक्षक अवनीत कौर, अवन्या की कार्यकारी निदेशक प्रीति चौहान व डा. सूरजमल ने कार्यक्षेत्र में मनोविज्ञान के प्रायोगिक पक्षों से प्रतिभागियों को अवगत कराया। जिला रेडक्रास सोसायटी के सचिव डा. श्याम सुंदर शर्मा ने मातृशक्ति के महत्व से प्रतिभागियों को अवगत कराया।

कार्यशाला के मुख्य अतिथि जिला उपायुक्त डा. जेके आभीर का स्वागत करते हरियाणा केंद्रीय विश्वविद्यालय के कुलपति प्रो. टंकेश्वर कुमार (दाएं) ● सौ. हकेंवि

Central University of Haryana

NAAC Accredited 'A' Grade University

Public Relations Office

Newspaper: Haribhoomi **Date: 20-05-2022**

विशेषज्ञों कार्यशाला के माध्यम से ज्ञान के महत्व को समझने का अवसर प्रतिभागियों को प्राप्त

व्यक्ति की व्यवहारिक मनोविज्ञान संबंधी समस्याओं पर चर्चा

केंद्रीय विश्वविद्यालय में मानसिक व आत्मिक बल पर केंद्रित कार्यशाला का हुआ समापन

हरिभूमि न्यूज ▶▶ महेंद्रगढ़

हरियाणा केंद्रीय विश्वविद्यालय के मनोविज्ञान विभाग में दो दिवसीय कार्यशाला का गुरुवार को समापन हो गया। व्यक्ति विशेष की व्यवहारिक मनोविज्ञान संबंधी समस्याओं पर चर्चा के साथ उनके मानसिक एवं आत्मिक बल को बढ़ावा देने के उद्देश्य से आयोजित इस कार्यशाला के समापन सत्र में उपायुक्त डॉ. जेके आभीर मुख्यातिथि के रूप में उपस्थित रहे। विश्वविद्यालय कुलपति प्रो. टंकेश्वर ने अपने संदेश में कहा कि इस कार्यशाला के माध्यम से मनोविज्ञान के ज्ञान के महत्व को समझने का अवसर प्रतिभागियों को प्राप्त हुआ है। कुलपति ने कहा कि उम्मीद है कि कार्यशाला में विशेषज्ञों द्वारा दिए गए ज्ञान का लाभ अवश्य ही शोध व व्यावहारिक उपयोग में देखने को मिलेगा। कार्यशाला के समापन सत्र में उपायुक्त डॉ. जेके आभीर ने कहा कि विश्वविद्यालय द्वारा प्राप्त इस मंच और यहां एकत्र विशेषज्ञों से अर्जित ज्ञान की सार्थकता तभी होगी जबकि आप इसे समाज तक पहुंचाएंगे। उन्होंने कहा कि अवश्य ही इस कार्यशाला के माध्यम से इस क्षेत्र में कार्यरत व अध्ययनरत विशेषज्ञों को विषय के महत्वपूर्ण पक्षों को जानने में मदद मिलेगी। उपायुक्त ने विश्वविद्यालय के कुलपति व मनोविज्ञान विभाग सहित कार्यशाला में सम्मिलित विशेषज्ञों के योगदान की भी सराहना की और कहा कि समय-समय पर ऐसे आयोजन होते रहने चाहिए। ब्लॉकों व जिला स्तर पर आयोजित करने का विचार भी प्रस्तुत किया। आयोजन में विशेषज्ञ के रूप में डॉ. ज्योति आभीर, मनोवैज्ञानिक विशेषज्ञ व शिक्षक अवनीत कौर, अवन्या की कार्यकारी निदेशक प्रीति चौहान व डॉ. सूरजमल ने कार्यक्षेत्र में मनोविज्ञान के प्रायोगिक पक्षों से प्रतिभागियों को अवगत कराया।

महेंद्रगढ़। उपायुक्त डॉ. जेके आभीर का स्वागत करते कुलपति प्रो. टंकेश्वर। फोटो: हरिभूमि

Central University of Haryana

NAAC Accredited 'A' Grade University

Public Relations Office

Newspaper: Dainik Tribune **Date: 20-05-2022**

हकेवि में मनोविज्ञान पर कार्यशाला

नारनौल (निस) : हरियाणा केंद्रीय विश्वविद्यालय (हकेवि), महेंद्रगढ़ के मनोविज्ञान विभाग में दो दिवसीय कार्यशाला का आयोजन किया गया।

डॉ. जेके आभीर का स्वागत करते कुलपति प्रो. टंकेश्वर कुमार। -निस

बृहस्पतिवार को इसके समापन सत्र में जिला उपायुक्त डॉ. जेके आभीर मुख्य अतिथि के रूप में उपस्थित रहे। विश्वविद्यालय के कुलपति प्रो. टंकेश्वर कुमार ने कहा कि इस कार्यशाला के माध्यम से मनोविज्ञान के ज्ञान के महत्व को समझने का अवसर प्रतिभागियों को प्राप्त हुआ। जिला उपायुक्त ने कहा कि कोरोना काल में बदली परिस्थितियों के परिणामस्वरूप मनोविज्ञान विशेषज्ञों का महत्व सामाजिक परिवेश में बढ़ा है। इस प्रकार के आयोजनों के माध्यम से अर्जित ज्ञान समाज के लिए बेहद उपयोगी है। विश्वविद्यालय के मनोविज्ञान विभाग के विभागाध्यक्ष डॉ. वीएन यादव ने कार्यशाला की उपयोगिता से प्रतिभागियों को अवगत कराया। उन्होंने विभाग की शोधार्थी रितिका वर्मा द्वारा बनाई गई मेंटल हेल्थ किट भी लांच की।

दैनिक ट्रिब्यून Fri, 20 May 2022
https://epaper.dainiktribun

Central University of Haryana

NAAC Accredited 'A' Grade University

Public Relations Office

Newspaper: Punjab Kesari **Date: 20-05-2022**

हकेंवि में मानसिक और आत्मिक बल पर केंद्रित कार्यशाला सम्पन्न

महेंद्रगढ़, 19 मई (मोहन/परमजीत): हरियाणा केंद्रीय विश्वविद्यालय (हकेंवि), महेंद्रगढ़ के मनोविज्ञान विभाग में 2 दिवसीय कार्यशाला का गुरुवार को समापन हो गया। व्यक्ति विशेष की व्यावहारिक मनोविज्ञान संबंधी समस्याओं पर चर्चा के साथ उनके मानसिक एवं आत्मिक बल को बढ़ावा देने के उद्देश्य से आयोजित इस कार्यशाला के समापन सत्र में जिला उपायुक्त डॉ. जे.के. आभीर मुख्यातिथि के रूप में उपस्थित रहे।

विश्वविद्यालय कुलपति प्रो. टंकेश्वर कुमार ने अपने संदेश में कहा कि इस कार्यशाला के माध्यम से मनोविज्ञान के ज्ञान के महत्व को समझने का अवसर प्रतिभागियों को प्राप्त हुआ है।

कुलपति ने कहा कि उम्मीद है कि कार्यशाला में विशेषज्ञों द्वारा दिए गए ज्ञान का लाभ अवश्य ही शोध व व्यावहारिक उपयोग में देखने को मिलेगा।

कार्यशाला के समापन सत्र में जिला उपायुक्त डॉ. जे.के. आभीर ने हरियाणा केंद्रीय विश्वविद्यालय द्वारा आयोजित इस कार्यशाला को समसामयिक बताया और कहा कि

कार्यशाला के मुख्य अतिथि जिला उपायुक्त डॉ. जे.के. आभीर का स्वागत करते कुलपति प्रो. टंकेश्वर कुमार।

कोरोना काल में बदली परिस्थितियों के परिणामस्वरूप मनोविज्ञान विशेषज्ञों का महत्व सामाजिक परिवेश में बढ़ा है। उन्होंने कहा कि अक्सर हम समाज से बहुत कुछ सीखते हैं लेकिन उसकी सार्थकता तभी है जब हम उसे समाज को वापस लौटाएं। इस प्रयास में कम्यूनिकेशन का योगदान महत्वपूर्ण है।

डॉ. जे.के. आभीर ने कहा कि विश्वविद्यालय द्वारा प्राप्त इस मंच और यहां एकत्र विशेषज्ञों से अर्जित ज्ञान की सार्थकता तभी होगी जबकि आप इसे समाज तक पहुंचाएंगे।

उन्होंने कहा कि अवश्य ही इस कार्यशाला के माध्यम से इस क्षेत्र में कार्यरत व अध्ययनरत विशेषज्ञों को विषय के महत्वपूर्ण पक्षों को जानने में मदद मिलेगी।

उपायुक्त ने विश्वविद्यालय के कुलपति व मनोविज्ञान विभाग सहित कार्यशाला में सम्मिलित विशेषज्ञों के योगदान की भी सराहना की और कहा कि समय-समय पर ऐसे आयोजन होते रहने चाहिएं। उन्होंने मनोविज्ञान विभाग के सहयोग से इस तरह के आयोजन आसपास के गांवों, ब्लॉकों व जिला स्तर पर आयोजित करने का विचार भी प्रस्तुत किया।

यहां बता दें कि आयोजन में विशेषज्ञ के रूप में डॉ. ज्योति आभीर, बिजनैस एक्सपर्ट व बिहेवियर एनालिस्ट अर्चना मेमगेन जैन, मनोवैज्ञानिक विशेषज्ञ व शिक्षक अवनीत कौर, अवन्या की कार्यकारी निदेशक प्रीति चौहान व डॉ. सूरजमल ने कार्यक्षेत्र में मनोविज्ञान के प्रायोगिक पक्षों से प्रतिभागियों को अवगत कराया। डॉ. ज्योति आभीर ने प्रतिभागियों को सभी की संस्कृति का सम्मान कर आगे बढ़ने का आह्वान किया।

जिला रैडक्रॉस सोसायटी के सचिव डॉ. श्याम सुंदर शर्मा ने मातृशक्ति के महत्व से प्रतिभागियों को अवगत कराया और विद्यार्थियों से अपने लक्ष्य को हासिल करने की दिशा में कार्य करने के लिए प्रेरित किया।

विश्वविद्यालय के मनोविज्ञान विभाग के विभागाध्यक्ष डॉ. वी.एन. यादव ने कार्यशाला की उपयोगिता से प्रतिभागियों को अवगत करवाया। डॉ. वी.एन. यादव ने विभाग की शोधार्थी रितिका वर्मा द्वारा बनाई गई मैंटल हैल्थ किट भी लांच की।

कार्यशाला के आयोजन में विभाग की सह-आचार्य डॉ. पायल चंदेल, सहायक आचार्य डॉ. रवि पांडे, डॉ. प्रदीप कुमार तथा डॉ. रितु शर्मा ने महत्त्वपूर्ण भूमिका अदा की।